Roll No. : ..... Total Pages : 5

4602

M.A. (Previous) Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper – II

(Adhunik Kavya)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड–अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड–ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड–स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–A

(खण्ड-अ)

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) सूर्यमल्ल मिश्रण की किन्हीं **चार** रचनाओं के नाम लिखिए।

(ii) वीर सतसई के प्रधान रस का नाम बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए।

(इकाई–II)

(iii) 'माटी रा रंगरेज' नामक कविता का केन्द्रीय स्वर क्या है?

(iv) 'चेत मांनखा' से क्या अभिप्राय है?

(इकाई–III)

(v) 'लीलटांस' में संकलित 'राम नाम' कविता का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(vi) 'सांच अर झूठ' में क्या अंतर है?

(इकाई–IV)

(vii) 'मानखो' से क्या अभिप्राय है?

(viii) आदर्श से भटके हुए मानव की क्या स्थिति होती है?

(इकाई–V)

(ix) 'वीर सतसई' के दोहों की कोई **दो** विशेषताएं लिखिए।

(x) कन्हैयालाल सेठिया की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

PART–B

(खण्ड-ब)

(इकाई–I)

2. 'वीर सतसई' में चित्रित मातृभूमि प्रेम पर विवेचनात्मक प्रकाश डालिए।

अथवा

3. 'वीर सतसई' में आए तात्कालिक सामाजिक जीवन का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

(इकाई–II)

4. 'चेत मांनखा' में चित्रित किसान-जीवन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

5. ''रोयां रुजगार मिल्लै कोनीं'' कविता की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

6. 'लीलटांस' काव्य-संग्रह की कविताओं के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

7. 'लीलटांस' काव्य की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

(इकाई–IV)

8. 'मांनखा' खंड-काव्य में अभिव्यक्त अर्जुन के अन्तर्द्वन्द्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

9. 'मानखो' की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

(इकाई–V)

10. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मूझ अचंभौ हे सखी, कंत बखानूं कीस।
बिण माथै दल बाढ़ियौ, आँख हियै कै सीस।।
गीठ गया सब गहरा, बणी अचाणक आय।
सीहण जाई सीहणी, लीधी तेग उठाय।।

अथवा

11. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बाप बायरा बालक बिलखै, विधवा वां री टोल्या।
एक चिणख नी बूझ्या, जगैली जानै कितरी होल्यां।।
अणगिण मारया जाय अकारण, राणी पाप बड़ो है।
मिनखा री धरती रै सिर पर, रण रो श्राप बड़ो है।।

PART–C
(खण्ड-स)
(इकाई–I)

12. '' 'वीर सतसई' वीर रसात्मक रचना है।'' कथन की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–II)

13. '' 'चेत मांनखा' में प्रगतिशीलता की मुखर अभिव्यक्ति हुई है।'' कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

(इकाई–III)

14. '' 'लीलटांस' भारतीय दर्शन से युक्त श्रेष्ठ भाव एवं विचार प्रधान काव्य है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–IV)

15. 'मानखो' खंड-काव्य में चित्रित मानवीय आस्थाओं और विचारों की अभिव्यक्ति पर प्रकाश डालिए।